पंजाब केसरी
SUN,07 JUNE 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

शिक्षा बोर्ड के सत्र 2026-27 की तैयारियों को लेकर बैठक, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष जोर

धर्मशाला : धर्मशाला में शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए। (ब्यूरो)

धर्मशाला, 6 जून (प्रियंका): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड के सचिव, उप सचिवों एवं सहायक सचिवों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत बोर्ड परीक्षाओं, विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आगामी परीक्षा सत्र को सुचारू एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. राजेश शर्मा ने अधिकारियों को शाखावार जिम्मेदारियों के निर्वहन के आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि बोर्ड की सभी गतिविधियों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें और प्रत्येक कार्य को विद्यार्थी हित को ध्यान में रखते हुए संपादित करें।

बैठक में बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ शिक्षक पात्रता परीक्षा, डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, डी.एल.एड. परीक्षाओं तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके अलावा परीक्षा प्रबंधन, गोपनीयता, तकनीकी व्यवस्थाओं, परिणाम घोषणा प्रक्रिया और विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी गहन चर्चा की गई।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करते हुए बोर्ड की प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ बनाएंगे।

Dainik Jagran 07-06-2026

शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा सत्र 2026 27 के लिए तैयारियां की आरंभ

पारदर्शिता और गुणवत्ता पर रहेगा विशेष फोकस; अध्यक्ष बोले, छात्र हित सर्वोपरि, परीक्षा प्रबंधन को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आगामी शैक्षणिक एवं परीक्षा सत्र 2026-27 को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड के सचिव, उप सचिवों एवं सहायक सचिवों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न परीक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने अधिकारियों को शाखावार जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड की सभी गतिविधियों और परीक्षाओं का संचालन समयबद्धता, जवाबदेही और पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

साथ ही अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ● सौ. बोर्ड

निर्देश भी दिए गए। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीइटी), डीएलएड प्रवेश परीक्षा, डीएलएड परीक्षाओं सहित अन्य शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए परीक्षा प्रणाली में गुणवत्ता और पारदर्शिता को मजबूत बनाया जाएगा।

Himachal Dastak 07-06-2026

शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए टीम भावना के साथ करें कार्य : डॉ. राजेश

बोले- विद्यार्थी हित सर्वोपरि, परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड के सचिव उप सचिवों एवं सहायक सचिवों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी परीक्षा सत्र 2026-27 के सफल एवं सुचारू संचालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को उनकी शाखावार जिम्मेदारियों एवं कार्यों के प्रभावी निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड की सभी गतिविधियों एवं परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता तथा जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही प्रत्येक अधिकारी को अपने कार्यक्षेत्र में समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न परीक्षाओं, जिनमें बोर्ड परीक्षाएं, शिक्षक पात्रता परीक्षा, डीएलएड प्रवेश परीक्षा, डीएलएड परीक्षाएं तथा अन्य शैक्षणिक एवं

परीक्षा संबंधी गतिविधियां शामिल हैं, की तैयारियों की समीक्षा की गई। परीक्षा प्रबंधन, गोपनीयता, तकनीकी व्यवस्थाओं, परिणाम घोषणाओं तथा विद्यार्थी हित से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बोर्ड अध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए टीम भावना के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक गतिविधि के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करते हुए बोर्ड की प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ बनाएंगे।

सीबीएसई स्कूलों में नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र हो शुरू

धर्मशाला। 16 जून से डोर टू डोर जनगणना शुरू होने से पहले सीबीएसई स्कूलों के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण की जाए। इसके अलावा 749 टीजीटी को प्रवक्ता और 600 टीजीटी को हेडमास्टर प्रोमोशन की देने के लिए डीपीसी की जाए। यह मांग राजकीय टीजीटी कला संघ ने शिक्षामंत्री, शिक्षा सचिव और स्कूल शिक्षा निदेशक से की है। संघ के प्रदेश महासचिव विजय वीर ने कहा कि 749 टीजीटी में डीम्ड रेगुलर शिक्षक सितंबर, 2025 से अब तक प्रोमोशन को तरस रहे है, जिनकी डीपीसी के बाद आदेश जारी नहीं हुए है। बंपर प्रिंसिपल प्रोमोशन के बाद हेडमास्टर के 600 पद रिक्त है और विभाग के पास पात्र 600 टीजीटी कैडर को भी प्रोमोट करने की प्रक्रिया अधर में है। ऐसे में शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री इस स्थिति का संज्ञान लें और अब इन लंबित पदोन्नति फाइलस क्लीयर करवाएं। इसी तरह टीजीटी के फीडिंग कैडर भी दो साल से प्रोमोशन को तरस रहे हैं। जेबीटी से टीजीटी और सी एंड वी से टीजीटी को 2 साल से प्रोमोशन नहीं दी गई है, जबकि इनका प्रमोशन पैनल 2 माह पहले जारी हुआ था और 15 फरवरी तक आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं मगर आज तक उनको प्रोमोशन नहीं दी गई है। आचार संहिता और वरिष्ठता विवाद के कारण इन सूचियों को होल्ड किया गया था मगर अब इनको शीघ्र जारी किया जाना चाहिए। जनगणना कार्य में बिताया गया समय उसके मूल विभाग की नियमित ड्यूटी माना जाएगा तथा इस कार्य के कारण उसके पदोन्नति या अन्य सेवा उन्नति के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे।

Divya Himachal
07-06-2026

बोर्ड परीक्षा में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आगामी शैक्षणिक और बोर्ड परीक्षा सत्र 2026-27 में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परीक्षा प्रबंधन में उच्च गुणवत्ता और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। धर्मशाला स्थित बोर्ड मुख्यालय में सचिव, उप सचिवों और सहायक सचिवों के साथ आयोजित एक हाई-लेवल बैठक की अध्यक्षता करते हुए डा. शर्मा ने कहा कि बोर्ड का एकमात्र लक्ष्य विद्यार्थी हित सर्वोपरि होना चाहिए। बैठक के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को उनकी शाखावार जिम्मेदारियों और कार्यों को प्रभावी ढंग से निपटाने के निर्देश जारी किए।

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
06 जून, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ

शिक्षा बोर्ड सत्र 2026-27 की शैक्षणिक, बोर्ड परीक्षाओं, अन्य गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल

विद्यार्थी हित सर्वोपरि, परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड के सचिव उप सचिवों एवं सहायक सचिवों (असिस्टेंट सेक्रेट्रीज) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी परीक्षा सत्र 2026-27 के सफल एवं सुचारू संचालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को उनकी शाखावार जिम्मेदारियों एवं कार्यों के प्रभावी निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड की सभी गतिविधियों एवं परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता तथा जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही प्रत्येक अधिकारी को अपने कार्यक्षेत्र में समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

सभी अधिकारी से निष्ठा पूर्वक कार्य करने का जताया विश्वास

बोर्ड अध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए टीम भावना के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक गतिविधि के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करते हुए बोर्ड की प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ बनाएंगे।

बैठक में बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न परीक्षाओं, जिनमें बोर्ड परीक्षाएं, शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET), डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, डी.एल.एड. परीक्षाएं तथा अन्य शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी गतिविधियां शामिल हैं, की तैयारियों की समीक्षा की गई। परीक्षा प्रबंधन, गोपनीयता, तकनीकी व्यवस्थाओं, परिणाम घोषणाओं तथा विद्यार्थी हित से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कांगड़ा कला संग्रहालय, धर्मशाला में आयोजित कला प्रदर्शनी 'Whispers of Solitude' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉ. राजेश शर्मा

जागो ! धर्मशाला/ राकेश कुमार

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा आज कांगड़ा कला संग्रहालय, धर्मशाला में आयोजित कला प्रदर्शनी "Whispers of Solitude" के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह प्रदर्शनी कलाकार पूजा राज द्वारा आयोजित की गई है, जिसमें जीवन के विभिन्न आयामों, अनुभवों एवं मानवीय भावनाओं को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियों के माध्यम से जीवन के विभिन्न चरणों, संघर्षों, भावनात्मक अनुभवों, आत्मचिंतन तथा व्यक्तिगत विकास की यात्रा को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को समझने का सशक्त माध्यम भी है।डॉ. शर्मा ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां युवाओं में रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कलाकार पूजा राज को इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।यह कला प्रदर्शनी 05 जून से 07 जून 2026 तक कांगड़ा कला संग्रहालय, धर्मशाला में आयोजित की जा रही है, जिसमें कला प्रेमी, विद्यार्थी एवं आम नागरिक भाग लेकर कलाकृतियों का अवलोकन कर सकते हैं।

JUNE 07, 2026 SUNDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HPBOSE TARGETS 'BUREAUCRATIC INERTIA' WITH AGGRESSIVE NEW STUDENT-FIRST STRATEGY

Sunny Mahajan | Dharamshala

In a bid to overhaul its image and iron out operational wrinkles, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) is going all-in on a massive transparency blitz for the upcoming 2026-27 academic session. Board President Dr. Rajesh Sharma made it crystal clear to his top brass that the old, sluggish ways of handling examinations will no longer fly, declaring that student welfare must override bureaucratic inertia.

During a high-stakes, closed-door huddle at the headquarters with the board's secretary, deputy secretaries, and assistant secretaries, Dr. Sharma explicitly grilled officials over branch-wise accountability. The ultimatum was sharp: execute every single operation with absolute transparency and zero delays, or face the music. The aggressive strategy shift comes at a critical juncture as the board prepares to juggle a mountain of crucial high-stakes evaluations, including the core board exams, Teacher Eligibility Test (TET), and D.El.Ed entrance tests.

For an organization often bogged down by administrative red tape, this sudden push for tech-driven secrecy, faster result declarations, and tight coordination feels like a corporate restructuring. Dr. Sharma reminded his team that public trust in the board's integrity has zero margin for error. By ordering his officers to drop their siloed mentalities and work as a unified strike team, the chief is clearly trying to transform HPBOSE from a rigid government department into a modern, student-centric powerhouse. Whether this aggressive top-down pressure actually translates into error-free exams and cleaner management on the ground remains to be seen, but the message from the top is undeniable: shape up, sync up, and deliver.